

शिक्षा का महत्व - कक्षा सभा

“हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र बने, मानसिक विकास हो, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके।” स्वामी विवेकानंद

इसी विचारधारा पर आधारित थी कक्षा तीसरी की सभा ‘शिक्षा का महत्व’।

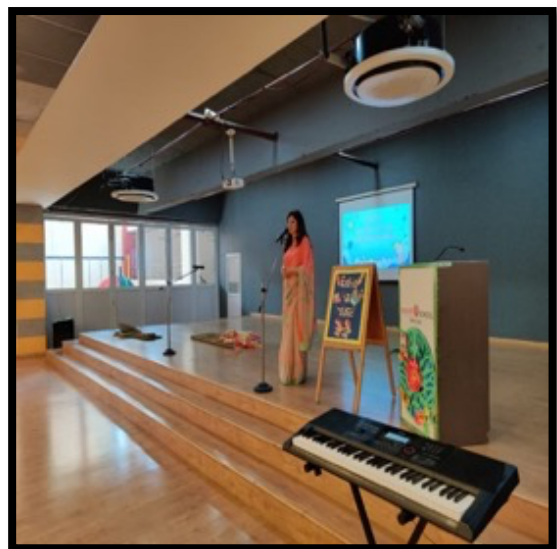
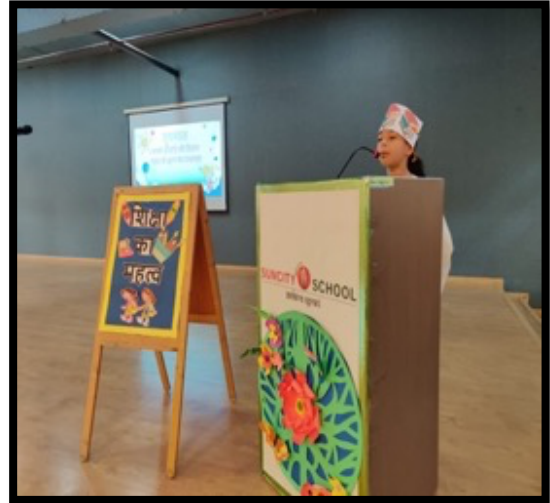
शिक्षा के महत्व को एक विशेष सभा द्वारा छात्रों तक पहुँचाने का यह सफल प्रयास ब्रह्मस्पतिवार, १४ जुलाई को विद्यालय प्रांगण में किया गया।

कक्षा तीसरी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई इस विशेष सभा में शिक्षा के साथ संगीत का संगम अद्भुत रहा। सभा का प्रारम्भ गायत्री मंत्र व प्रार्थना से किया गया तथा समाचार द्वारा न केवल देश - विदेश अपितु खेल जगत की भी जानकारी साझा की गई। आज के शब्द, ने जहाँ छात्रों के ज्ञान में वृद्धि की, वहीं विचार ने छात्रों की विचारधारा को प्रभावित करने का प्रयास किया।

“शिक्षा के महत्व” को छात्रों को समझाने हेतु सभी विद्यार्थियों ने एक लघु नाटिका प्रस्तुत की व अपने अभिनय का जादू बिखेरा। नाटिका में छात्रों ने अपने - अपने पात्रों को निभा कर उन्हें जीवंत कर दिया। नाटिका द्वारा छात्रों ने शिक्षा को घर - घर पहुँचाने का संदेश दिया। वही सूत्रधार ने अपनी कला का जादू दिखाकर छात्रों को खूब पढ़ने व अपने माता-पिता सहित विद्यालय का भी नाम रोशन करने का कार्य अत्यंत मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया।

दर्शक दीर्घा में बैठे छात्रों ने तालियों की गड़गड़ाहट से नाटिका की सफलता का प्रमाण दिया। तत्पश्चात् विद्यालय प्रमुख को मंच पर आकर अपने जादुई शब्द कहने के लिए आमंत्रित किया गया। महोदय जी के जादुई शब्द मानो जैसे सभा में चार चाँद लगा गए। महोदय जी को धन्यवाद अर्पण कर सभा को राष्ट्रीय गान गाते हुए समाप्त किया गया।





कक्षा अध्यापिका - रितु राव